BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (08.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 08.02.2025, PAGE-06

पीजी : हिन्दी का कटऑफ 95 फीसदी तक

मुजफ्फरपुर,प्रसं। बीआरएबीयू में पीजी सत्र 2024-26 में 10 से 20 फरवरी दाखिला लिया जाएगा। विवि के डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह ने सभी कॉलेजों और पीजी विभागाध्यक्षों को इसका पत्र जारी कर दिया है। पीजी में दाखिले के लिए कटऑफ लिस्ट भी जारी कर दी गई है। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि शनिवार को सभी कॉलेजों को मेरिट लिस्ट भेज दी जाएगी। सबसे ज्यादा कटऑफ आरडीएस कॉलेज में हिन्दी में 95 प्रतिशत गया है। इसके बाद पीजी विभाग होम साइंस में 93 प्रतिशत कटऑफ गया है।

पीजी में दाखिले के लिए कॉलेज व पीजी विभागों की अलग-अलग कटऑफ लिस्ट कोटिवार जारी की गई है। एलएस कॉलेज में सर्वाधिक कटऑफ म्यूजिक में 89.2 प्रतिशत गया है। एलएस कॉलेज में भोजपुरी में 79 प्रतिशत, इकोनामिक्स में 81 प्रतिशत, अंग्रेजी में 77.38 प्रतिशत, भूगोल में 75.25 प्रतिशत, हिन्दी में 76.15 प्रतिशत, जबकि इतिहास में कटऑफ 76.6 प्रतिशत गया है।

केमेस्ट्री विभाग में 83 प्रतिशत उच्चतम कटऑफ

पीजी केमेस्ट्री विभाग में कटऑफ 83 प्रतिशत गया है। वहीं, पीजी बॉटनी विभाग में 82.2 प्रतिशत, पीजी कॉमर्स विभाग में 87.33 प्रतिशत, पीजी अर्थशास्त्र में 80.33 प्रतिशत, पीजी इलेक्ट्रानिक्स में 81.11 प्रतिशत और अंग्रेजी में 79.33 प्रतिशत उच्चतम कटऑफ गया है। पीजी भूगोल विभाग में 81%, हिन्दी में 81.18%, पीजी हिस्ट्री में 78.25%, मैथिली में 79.67%, गणित में 81.88%, फिलासफी में 84.9%, फिजिक्स में 80.79%, राजनीति विज्ञान में 81%, पीजी विभाग मनोविज्ञान में 83.13%,जूलाजी में 89.38% कटऑफ गया है।

एमडीडीएम कॉलेज में 87 फीसदी गया कटऑफ

एमडीडीएम कॉलेज में सर्वाधिक कटऑफ 87 फीसदी गया है। यहां अर्थशास्त्र में 70.75 फीसदी, अंग्रेजी में 75.8 फीसदी, हिन्दी में 61.25 प्रतिशत कटऑफ गया है। इतिहास में 66.38 प्रतिशत, होम साइंस में 73.88 प्रतिशत, गणित में 83.13 प्रतिशत, फिजिक्स में 76.63 प्रतिशत कटऑफ है। आरबीबीएम में हिन्दी में 74.72 फीसदी, इतिहास में 83.88%, होम साइंस में 75%, साइकोलाजी में 67.5 % कटऑफ गया है। आरडीएस कॉलेज में प्राचीन भारत में 63.5%, इकोनामिक्स में 79.67%, अंग्रेजी में 87%, भूगोल में 84.5% तक कटऑफ गया है।

पीजी थर्ड सेमेस्टर की कक्षा शुरू करने का निर्देश

बीआरएबीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो आलोक प्रताप सिंह ने सभी प्राचार्यो को पीजी विभाग के अध्यक्षों को पीजी थर्ड सेमेस्टर की कक्षा शुरू करने का निर्देश दिया है। कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की गई है। उन्होंने बताया कि नये सत्र में सिलेबस पूरा करने पर विशेष जोर रहेगा। एडमिशन कमेटी की बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

पैट रिजल्ट जारी, भोजपुरी विषय में सिर्फ एक शोधार्थी

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू में पैट 2022 का अंतिम रिजल्ट शुक्रवार को कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने जारी कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे शोध के नियमों के अनुसार कोर्स वर्क शुरू होने के एक महीने के अंदर छात्रों को गाइड आवंटित कर दें। रिजल्ट में भोजपुरी विषय में सिर्फ एक विद्यार्थी ही पास किया है।

- अंतिम रिजल्ट का विद्यार्थी पांच महीने से कर रहे थे इंतजार
- विभागाध्यक्षों को एक माह में गाइड आवंटित करने का निर्देश

अंग्रेजी में 10, हिन्दी में 17, मैथिली में 6, फिलास्फी में 4, संस्कृत में 5, उर्दू में 15, कॉमर्स में 10, मैनेजमेंट में 7, बॉटनी में 13, केमेस्ट्री में 3, कंप्यूटर एप्लीकेशन में 2, फिजिक्स में 6, जूलॉजी में 18, इकोनॉमिक्स में 31, एजुकेशन में सात, भूगोल में 12, इतिहास में 18, होम साइंस में 6, राजनीति विज्ञान में 21, साइकोलॉजी में 32, सोशियोलॉजी में तीन छात्र सफल हुए हैं। पैट का अंतिम रिजल्ट जारी करने से पहले दोपहर में तीन विषयों के रोस्टर को भी सही किया गया। पैट के रिजल्ट का इंतजार छात्र पांच महीने से कर रहे थे। रिजल्ट में देरी के विरोध में कई छात्र डीएसडब्ल्यू कार्यालय भी पहुंच गये थे।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 08.02.2025, PAGE-04

चिंता | विवि के जूलॉजी विभाग की ओर से शुरू हुआ तीन दिवसीय सेमिनार, विशेषज्ञों ने जंतुविज्ञान के महत्व और इसमें रिसर्च की संभावनाओं पर की चर्चा

गंगा के मैदानी क्षेत्रों में मां के दूध में मिला आर्सेनिक

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। गंगा के मैदानी क्षेत्रों में मां के दूध में आर्सेनिक पाया गया है। वहीं, मुजफ्फरपुर के लोगों के यूरिन में भी आर्सेनिक मिला है। यह बातें जूलॉजी विभाग की ओर से शुरू सेमिनार 'बायोलॉजिकल साइंसेस फ्रॉम मालिक्युल्स टू इको सिस्टम' में महावीर कैंसर संस्थान के वरीय वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार ने कहीं। उन्होंने सेमिनार में प्रेजेंटेशन भी दिया।

डॉ अरुण ने कहा कि मां के दूध में 400 पीपी आर्सेनिक पाया गया है। मां के दूध में आर्सेनिक पाये जाने से नवजात के मानसिक विकास अवरुद्ध होने का खतरा है। इसके अलावा यूरिन में आर्सेनिक मिलने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और कैंसर की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि बिहार में हर साल एक लाख कैंसर के नए मरीज मिल रहे हैं। कहा कि 90 से 95 फीसदी कैंसर का कारण पर्यावरण है। उन्होंने कहा है कि बाढ़ के कारण नदियों के पानी में आर्सेनिक की मात्रा पाई जा रही है। नदियां गाद के साथ आर्सेनिक लेकर आ रही हैं। डॉ अरुण ने बताया कि शोध के अनुसार मुजफ्फरपुर में गॉल ब्लाडर के कैंसर की संख्या भी अधिक है। इसके अलावा यहां कैंसर मरीज के टिश्यू में यूरेनियम मिला है।

सीआइएफई मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ दिलीप कुमार ने मत्स्य पालन पर तकनीकी जानकारी दी। काठमांडू के त्रिभुवन विवि के श्याम नारायण लाभ ने वोकल फॉर लोकल पर जोर डाला। राजेंद्र कृषि विवि के पीजी श्रीवास्तव ने मछली उत्पादन और आर्थिक लाभ पर जानकारी दी। केंद्रीय विवि बोधगया के प्रो.रामकुमार ने जंतुविज्ञान के महत्व और इसमें रिसर्च की संभावनाओं की चर्चा की। सेमिनार में जामिया मिलिया विवि से प्रो.तनुजा, विद्यासागर विवि मिदनापुर से प्रो.सुब्रत के.डे शामिल थे। मंच संचालन निक्की कुमारी व डॉ विपुल वैभव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ बीकेपी सिंह ने किया। कार्यक्रम में आरसी कालेज सकरा की प्राचार्य प्रो अमिता शर्मा, डॉ अनिता, डॉ ममता कुमारी, डॉ तरुण, डॉ फाजला, डॉ गजाला सहित अन्य मौजूद रहे।

- महावीर कैंसर संस्थान के वैज्ञानिक ने दिया व्याख्यान
- मुजफ्फरपुर के लोगों के यूरिन में मिला आर्सेनिक

शुक्रवार को सीनेट हॉल में सेमिनार को संबोधित करते वीसी प्रो. दिनेश चंद राय।

बायोलॉजी विज्ञान का दर्शन: प्रो मुरलीधर

सेमिनार में दिल्ली विवि के प्रो के मुरलीधर ने कहा कि बायोलॉजी विज्ञान का दर्शन है। बायोलॉजी के गहराई से अध्ययन की जरूरत है। विषय प्रवेश कराते हुए बीआरएबीयू के जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष व विज्ञान के डीन प्रो शिवानंद सिंह ने सेमिनार के बारे में जानकारी दी। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय और अन्य अतिथियों ने किया। कुलपति ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पीजी के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में वीसी ने बीआरएबीयू और महावीर कैंसर संस्थान के बीच एमओयू करने की भी बात कही।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:08.02.2025, PAGE-04

कैंसर मरीजों के टिश्यू में मिला यूरेनियम

महावीर कैंसर संस्थान के विज्ञानी डा. अरुण ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दी जानकारी

- मुजफ्फरपुर के कैंसर से पीड़ित दो मरीजों के टिश्यू में आया यूरेनियम
- टिश्यू में कितना यूरेनियम खतरनाक नहीं डब्ल्यूएचओ ने तय नहीं किया मानक
- जिला समेत पूरे उत्तर बिहार में गाल ब्लाडर कैंसर के मरीज अधिक

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो .डीसी राय • जागरण

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: मुजफ्फरपुर में कैंसर से पीड़ित दो मरीजों के टिश्यू में यूरेनियम आ चुका है। टिश्यू में यूरेनियम की मात्रा कितनी होनी चाहिए, इसका मानक अब तक विश्व स्वास्थ्य संगठन भी तय नहीं कर सका है। ये बात महावीर कैंसर संस्थान के विज्ञानी डा. अरुण कुमार ने कहीं। वे शुक्रवार को विश्वविद्यालय जूलाजी विभाग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्सेनिक मां के दूध में भी पहुंच चुका है। यह करीब 400 पीपीबी तक मां के दूध में पाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उनके रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मां के दूध में आर्सेनिक और शीशा दोनों ही प्रचुर मात्रा में पाया गया है। इसके अलावा चावल, गेहूं, आलू में भी आर्सेनिक की अधिक मात्रा पाई गई है। मुजफ्फरपुर में गालब्लाडर कैंसर से पीड़ित मरीजों के खून में भी आर्सेनिक की मात्रा मिल रही है। उत्तर बिहार के सभी जिलों में आर्सेनिक का प्रभाव है। यह खान-पान में मिल चुका है। मुजफ्फरपुर समेत पूरे उत्तर बिहार में गाल ब्लाडर कैंसर के मरीज अधिक मिल रहे हैं। पानी में आर्सेनिक की 10 पीपीबी तक की मात्रा सेहत के लिए सुरक्षित माना जाता है, लेकिन रिसर्च में ऐसा देखा गया है कि इस तरह का पानी पीने वाले 500 में से एक लोग को कैंसर हो रहा है। गर्भवती माता अगर पानी वाले आर्सेनिक का सेवन करती हैं और बच्चे में पांच प्रतिशत पीपीबी की मात्रा भी पहुंचती है तो वह सामान्य बुद्धि खो सकता है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी जूलाजी विभाग में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। एडवांसेज इन बायोलाजिकल साइंसेस फ्राम मालिक्युल्स टू इको सिस्टम विषय पर आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय ने की। साइंस से डीन सह जूलीजी विभागाध्यक्ष प्रो. शिवानंद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. डीसी राय ने कहा कि रिसर्च की दिशा में विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है। कहा कि जूलाजी विभाग में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन से शोध को गति मिलेगी।

उद्घाटनकर्ता सीआइएफई मुंबई के पूर्व निदेशक डा. दिलीप कुमार ने मत्स्य पालन पर तकनीकी जानकारी दी। वहीं प्रो. के मुरलीधर, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू के श्याम नारायण लाभ चोकल फार लोकल की अनिवार्यता पर चल दिया। राजेंद्र कृषि विवि के पीजी श्रीवास्तव, केंद्रीय विवि बोधगया के प्रो.रामकुमार, प्रो.तनुजा, विद्यासागर विवि मिदनापुर से प्रो.सुव्रत के.डे समेत अन्य ने विचार रखे। मंच संचालन निक्की कुमारी व डा. विपुल वैभव और धन्यवाद ज्ञापन डा. चीकेपी सिंह ने किया। कार्यक्रम में 275 से अधिक शोधार्थी शामिल हुए।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 08.02.2025, PAGE-04

डिप्रेशन व तनाव को कम नहीं समझें, कैंसर फैलाने के कारक हैं ये भी

- विवि में सेमिनार की शुरुआत, डॉ अरुण ने रखे विचार
- विवि का महावीर कैंसर संस्थान के साथ होगा एमओयू

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

विवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि.

महावीर कैंसर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार ने कहा, डिप्रेशन व तनाव को कम नहीं समझें. कैंसर फैलाने के कारको में ये भी हैं. मानव शरीर में 30 ट्रिलियन सेल्स सक्रिय होते हैं. जब हम हंसते या प्रसन्न होते हैं तो ये सेल्स पॉजिटिव रिएक्शन करते हैं. जब हम तनाव में होते हैं या स्ट्रेस हावी हो जाता है तो ये सेल्स नकारात्मक हावी होते हैं. यहीं से कैंसर की शुरुआत हो जाती है.

बीआरएबीयू के पीजी जंतु विज्ञान विभाग ने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत की. एडवांसेस इन बायोलॉजिकल साइंसेस फ्रॉम मालिक्युल्स टू इको सिस्टम विषय पर विद्वतजनों ने विचार रखे.

उद्घाटन सत्र में साइंस संकायाध्यक्ष सह जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो शिवानंद सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया. कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने कहा- बीआरएबीयू का महावीर कैंसर संस्थान के साथ शीघ्र एमओयू होगा. उद्घाटनकर्ता सीआइएफई मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ दिलीप कुमार ने मत्स्य पालन पर तकनीकी जानकारी दी. दिल्ली विश्वविद्यालय के मुरधीधर श्री ने शरीर के विकास में अंत:स्त्रावी ग्रंथियों के महत्त्व को रेखांकित किया. त्रिभुवन विवि के श्याम नारायण लाभ ने वोकल फॉर लोकल पर जोर डाला.

275 से अधिक शोधार्थी हुए शामिल

राजेंद्र कृषि विवि के पीजी श्रीवास्तव ने मछली उत्पादन और आर्थिक लाभ के विषय में जानकारी दी. केंद्रीय विवि बोधगया के प्रो रामकुमार ने जंतुविज्ञान के महत्व और इसमें रिसर्च की संभावनाओं की चर्चा की. सेमिनार में अन्य वक्ताओं में जामिया मिलिया विश्वविद्यालय से प्रो तनुजा, विद्यासागर विवि मिदनापुर से प्रो सुव्रत डे समेत अन्य शामिल थे. संचालन निवेदी व डॉ विपुल वैभव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ बीकेपी सिंह ने किया. कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य प्रदेश से भी 275 से अधिक शोधार्थी शामिल हुए. मौके पर डॉ अनीता, डॉ ममता, डॉ तरुण, डॉ फाजला व शोधार्थियों में पुष्कर, प्रणय, रमण, अमरेश, नीतीश, गजाला, प्रीति, अमिता, श्वेता, पल्लवी समेत अन्य उपस्थित रहे.

- खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन कर ले.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:08.02.2025, PAGE-04

पैट:22 विषयों में 227 अभ्यर्थी सफल

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू की ओर से पीएचडी एडमिशन टेस्ट-2022 का परिणाम जारी कर दिया गया है. पैट की प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद करीब छह महीने से अभ्यर्थी फाइनल परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे थे.

फाइनल रिजल्ट में 22 विषयों में 247 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए हैं. मनोविज्ञान में सर्वाधिक 32 और भोजपुरी में न्यूनतम एक शोधार्थी अंतिम रूप से चयनित हुए हैं.

20 फरवरी से कोर्स वर्क की शुरुआत: परिणाम जारी करने के साथ ही विवि कोर्स वर्क शुरू करने की तैयारी में है. पीजी विभागों में 20 फरवरी से कोर्स वर्क की शुरुआत की जाएगी. इसको लेकर सभी पीजी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है. कोर्स वर्क शुरू होने के बाद गाइड आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी.

विषय और सफल हुए अभ्यर्थियों की संख्या

- मनोविज्ञान- 32
- अर्थशास्त्र- 31
- राजनीति विज्ञान- 21
- जूलॉजी- 18
- इतिहास- 18
- हिंदी- 17
- उर्दू- 15
- बॉटनी- 13
- भूगोल- 12
- अंग्रेजी- 10
- कामर्स- 10
- मैनेजमेंट - 7
- शिक्षा- 7
- होम साइंस- 6
- मैथिली- 6
- भौतिकी- 6
- संस्कृत- 5
- दर्शनशास्त्र- 4
- समाजशास्त्र- 3
- रसायनशास्त्र- 3
- कंप्यूटर एप्लीकेशन- 2
- भोजपुरी- 1

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 08.02.2025, PAGE-04

पीजी के लिए कटऑफ जारी 10 से 20 तक होगा नामांकन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू की ओर से पीजी सत्र 2024-26 में दाखिले को लेकर कटऑफ जारी कर दिया गया है. इसके साथ ही चयनित छात्र-छात्राओं की सूची पोर्टल पर अपलोड करने की कवायद शुरू कर दी गयी है. पोर्टल पर विषयवार उपलब्ध सूची को देखा जा सकता है. अध्यक्ष छात्र कल्याण की ओर से जारी कटऑफ और पत्र में कहा गया है कि छात्र-छात्राओं ने आवेदन में जो विवरण दिये थे. यह कटऑफ उसी आधार पर जारी की गयी है. इसमें स्नातक के अंकों को आधार बनाया गया है. 10 से 20 जनवरी तक चयनित छात्र-छात्राएं आवंटित संस्थानों में दाखिला ले सकते हैं. इसके साथ ही कॉलेजों के प्राचार्य और पीजी विभागाध्यक्षों को कहा गया है कि नामांकन के दौरान अभ्यर्थियों के आवेदन में दिये विवरण से प्रमाणपत्रों का मिलान कर लें. यदि आवेदन में दी गयी जानकारी का प्रमाण वे नहीं दे पाते हैं तो उनका नामांकन का दावा समाप्त हो जाएगा. इसके साथ ही यदि उन्होंने मेरिट लिस्ट में आने के लिए गलत विवरण दिया हो तो भी वे नामांकन नहीं ले पाएंगे. वहीं एक ही अभ्यर्थी दो अलग-अलग विषयों के लिए आवेदन किये हों तो उनकी भी अभ्यर्थिता रद्द की जाएगी.

आवंटित कॉलेज में ही दाखिला लेना होगा

अभ्यर्थियों को कहा गया है कि आवंटित कॉलेज में उन्हें नामांकन लेना होगा. नामांकन नहीं लेने की स्थिति में दूसरी सूची में उनका दावा समाप्त हो जाएगा. वह सीट प्रतीक्षारत छात्र-छात्राओं को आवंटित कर दी जाएगी. बता दें कि इस सूची में 10 हजार से अधिक स्टूडेंट्स का नाम शामिल किया गया है. पीजी में दाखिले के लिए 25 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था. सबसे अधिक आवेदन इतिहास में आये थे.

गृहविज्ञान का 93 तो कॉमर्स का कटऑफ 87 पार

विश्वविद्यालय की ओर से जारी कटऑफ में दर्जनभर से अधिक विषयों का कटऑफ काफी अधिक गया है. साइंस संकाय में सभी पांचों विषयों का अधिकतम कटऑफ 80 के पार पहुंच गया है. जूलॉजी का अधिकतम कटऑफ सबसे अधिक 89 है. भौतिकी का अधिकतम कटऑफ 80, गणित का कटऑफ 81, रसायनशास्त्र का कटऑफ 83, बॉटनी का कटऑफ 82 से अधिक है. कॉमर्स का अधिकतम कटऑफ 87 के पार है. वहीं इतिहास का कटऑफ 78, मनोविज्ञान का कटऑफ 83, संस्कृत का कटऑफ 78, दर्शनशास्त्र का कटऑफ 84, अर्थशास्त्र का कटऑफ 80 से अधिक है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..................... **Date:...........................**

PRABHAT KHABAR,
MUZAFFARPUR
DATE:08.02.2025
PAGE-04

10% तक वोकेशनल कोर्स की फी में हो सकती है बढ़ोतरी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के विभिन्न कॉलेजों में संचालित वोकेशनल कोर्स में अगले सत्र से फी में बढ़ोतरी हो सकती है. विश्वविद्यालय की ओर से वोकेशनल कोर्स की फी में 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया है. बीसीए, बीबीए समेत सभी वोकेशनल कोर्स पर यह लागू होगा. इसके साथ ही नये सत्र में वोकशनल कोर्स में दाखिले के लिए केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा और आवेदन की प्रक्रिया की बात चल रही है. आइएमसी की बैठक से पहले नये वोकेशनल कोर्स शुरू करने, रिसोर्स पर्सन की सेवा लेने, शुल्क संरचना, संयुक्त आवेदन और संयुक्त प्रवेश परीक्षा समेत अन्य बिंदुओं पर उप समिति की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गयी है. उप समिति में संयोजक पीजी बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ रंजना, डीएसडब्ल्यू डॉ आलोक प्रताप सिंह और कॉमर्स विभागाध्यक्ष डॉ रवि श्रीवास्तव शामिल हैं. बता दें कि नये सत्र में विश्वविद्यालय के पीजी विभागों व विभिन्न कॉलेजों में नये कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है. ऐसे में इसकी भी प्रक्रिया चल रही है.